04999

MASTER OF ARTS (Economics)

Term-End Examination June, 2013

MEC-006: PUBLIC ECONOMICS

Time: 3 hours Maximum Marks: 100

Note: Attempt questions from each section as directed.

SECTION-A

Attempt any two questions from this section.

(Answer in about 500 words each)

2x20=40

- 1. Attempt to define public economics. Which kind of public intervention is not still considered a part of public economics and why?
- 2. What do you understand by excess burden or efficiency loss? Using demand curves with different price elasticities show the excess burden would be different.
- 3. Explain the stages and various coordination mechanism involved in policy processes. Discuss various factors that influence the agenda setting in policy processes.

MEC-006 1 P.T.O.

4. Critically explain the vertical Federal Fiscal Imbalance and Horizontal Federal Fiscal Imbalance. Explain the important reasons for the emergence of Horizontal Federal Fiscal Imbalance.

SECTION-B

Attempt any five questions from this section.

(Answer in about 300 words each)

5x12=60

- 5. Explain *any two* of the following:
 - (a) Lindhal pricing
 - (b) Pareto efficient tax structure
 - (c) Prisoner's Dilema
- 6. What are the objectives and meaning of public debt management? Write two principles of public debt management as stated by Philip E. Taylor.
- 7. Differentiate between *any three* of the following:
 - (a) Inflation and deflation
 - (b) Kaldor's Compensation criteria and Hicks' compensation criteria
 - (c) Theory of first best analysis and theory of second best analysis
 - (d) Sales tax and value added tax
- **8.** Define social welfare function. Compare Bentham's, Samuelson's and Rawls' functions.
- 9. Do you think that privatisation can always decentralise economic power? Critically examine.

- **10.** Explain how weber has defined a rational bureaucrat.
- 11. Do you think that public policy in a democratic country is based on public choice? Explain.
- **12.** Why did classical economists oppose and modern economists favour public debt?

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम एम.ए. (अर्थशास्त्र) सत्रांत परीक्षा जून, 2013

एम.ई.सी.-006 : लोक अर्थशास्त्र

समय : ३ घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : निर्देशानुसार **प्रत्येक** खंड से प्रश्न हल करें।

खंड-क

इस खंड से **किन्हीं दो** प्रश्नों को हल करें। (प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दें)

2x20=40

- लोक अर्थशास्त्र की व्याख्या करें। किस प्रकार का सार्वजिनक हस्तक्षेप अभी भी लोक अर्थशास्त्र का हिस्सा नहीं माना जाता है और क्यों?
- अतिरेक भार या कुशलता हानि से आप क्या समझते हैं? विभिन्न कीमत लोचों के साथ मांग वक्र का प्रयोग करते हुए दिखाएं कि अतिरेक भार विभिन्न कीमत लोचों की दशा में भिन्न होगा।
- 3. नीतिगत प्रक्रियाओं में समाहित दशाओं और विभिन्न नीतिगत प्रणालियों की व्याख्या करें। उन विभिन्न कारकों का विवेचन करें जो नीतिगत प्रक्रियाओं में एजेंडा निर्धारण को प्रभावित करते हैं।

4. लंबवत् संघीय राजकोषीय असंतुलन और क्षैतिज संघीय राजकोषीय असंतुलन की आलोचनात्मक व्याख्या करें। क्षैतिज संघीय राजकोषीय असंतुलन को ज़न्म देने वाले मुख्य कारणों की व्याख्या करें।

खंड-ख

इस खंड से **किन्हीं पाँच** प्रश्नों को हल करें। (प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में दें) 5x12=60

- 5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या करें:
 - (a) लिंढाल कीमत निर्धारण
 - (b) परेटो अनुकूलतम कर संरचना
 - (c) बंदी की दुविधा
- 6. लोक ऋण प्रबंधन के अर्थ और उद्देश्य क्या हैं? फिलिप इ टेलर द्वारा प्रतिपादित लोक ऋण प्रबंधन के दो सिद्धांत क्या हैं?
- 7. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन के मध्य भेद करें :
 - (a) स्फीति और अवस्फीति
 - (b) काल्डर का क्षतिपूर्ति का सिद्धांत और हिक्स का क्षतिपूर्ति का सिद्धांत
 - (c) प्रथम सर्वश्रेष्ठ विश्लेषण का सिद्धांत और द्वितीय सर्वश्रेष्ठ विश्लेषण का सिद्धांत
 - (d) विक्रम कर एवं मूल्य संवर्धित कर
- सामाजिक कल्याण फलन की व्याख्या करें। बेंथम सेम्युलसन तथा राल्स द्वारा दिये गए फलनों की तुलना करें।

- 9. क्या आप समझते हैं कि निजीकरण सदैव आर्थिक शक्तियों का विकेंद्रीकरण कर सकता है? आलोचनात्मक परीक्षण करें।
- 10. व्याख्या करें कि वेबर ने एक विवेकशील नौकरशाह को किस प्रकार परिभाषित किया है?
- 11. क्या आप सोचते हैं एक लोकतांत्रिक देश में लोक नीति, लोक अधिमानों पर आधारित होती है? व्याख्या करें।
- 12. लोक ऋण का क्यों प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री विरोध करते हैं और आधुनिक अर्थशास्त्री पक्ष लेते हैं।